



प्रेस-विज्ञापित

स्वतंत्रता की 70वीं वर्षगाँठ

**‘मेरे लिए स्वतंत्रता का अर्थ’ विषय पर साहित्य अकादेमी द्वारा विशेष कार्यक्रम**

लेखक/संपादक-पत्रकार/बुद्धिजीवी साझा करेंगे अपने-अपने विचार

नई दिल्ली। 10 अगस्त 2017। साहित्य अकादेमी देश की स्वतंत्रता की 70वीं वर्षगाँठ के अवसर पर **15 अगस्त 2017** को ‘मेरे लिए स्वतंत्रता का अर्थ’ विषय पर एक विशेष परिसंवाद का आयोजन सायं **4.00 बजे**, रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़ शाह मार्ग, स्थित सभाकक्ष में कर रही है।

हमारे देश में स्वतंत्रता की अवधारणा एवं दर्शन को अनेक तरह से समझा और अभिव्यक्त किया जाता रहा है – यह चाहे विशिष्ट जीवन परिस्थितियों में वैयक्तिक स्वतंत्रता हो या आत्मा की मुक्ति। या फिर किसी खास भौगोलिक क्षेत्र की विदेशी शासन से मुक्ति आदि-आदि। आज़ादी की 70वीं वर्षगाँठ ने हमको एक अवसर दिया है कि हम अपनी आज़ादी को एक बार फिर विभिन्न परिप्रेक्ष्य में देखें और जानें। इस परिसंवाद में देश के जाने-माने लेखक, संपादक, पत्रकार और बुद्धिजीवी भाग ले रहे हैं। ये सभी, अपने-अपने क्षेत्रों में उनके लिए स्वतंत्रता का क्या अर्थ है, विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। प्रमुख वक्ता हैं – के.के. एन. दारूवाला, चित्रा मुद्गल, असगर वजाहत, लीलाधर मंडलोई, प्रयाग शुक्ल, गीतांजलि श्री, शरण कुमार लिंबाले, मालन वी. नारायणन, वेंकटेश रामकृष्णन, अनंत विजय, मुकेश भारद्वाज, अभय कुमार दुबे, नलिनी, श्यौराज सिंह बेचैन एवं समीर तांती। इन सबके विचारों से देश की आज़ादी के सही मायनों को समझने और जानने के लिए एक नई विचार-दृष्टि प्राप्त होगी।

(के. श्रीनिवासराव)